SANJAY
STORE TEXTILES
Dara Market, Johari Bazar &
Tonk Road, Paanch Batti JAIPUR
2570847

सरकारी विज्ञापनों के लिए
मान्यता प्राप्त

If undelivered, Pl.
return to
रमन अग्रवाल (संपादक)
हैल्थ व्यू : 170/3,
रामगली, राजापार्क
जयपुर-302004
मो. 98290-66272

राष्ट्रस्तरीय पाक्षिक पत्रिका

HEALTH VIEW
हैल्थ व्यू

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

चाय, नमकीन, सुपारी, मसाले, पाउडर
इत्यादि की पैकिंग के लिए
ऑटोमेटिक पाउच पैकिंग मशीनें
सुरेंद्र कुमार एण्ड कंपनी
2368358, 2378231 मो. 9829013384
खंडेलवाल स्कूल बिल्डिंग, स्टेशन रोड, जयपुर

विशेष वार्षिक सदस्यता-500/-* सहयोग-2100*/- विशेष सहयोग 3100*/-

कैंसर एवं गंभीर बीमारियों की रोकथाम में प्रयासरत संस्थान

वर्ष 22 अंक 22 हिन्दी/अंग्रेजी पृष्ठ 8 प्रति-2 रु., जयपुर 04 जनवरी, 2024

दुर्घटनाग्रस्त अंगों को सुधारने और पुनः बनाने में, सहायक है प्लास्टिक सर्जरी व रीकन्स्ट्रक्टिव सर्जरी

● हैल्थ व्यू

डॉ जी एस कालरा

एसएमएस मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रोफेसर और प्रसिद्ध प्लास्टिक सर्जन डॉक्टर जी एस कालरा का कहना है कि आने वाले वर्षों में प्लास्टिक सर्जन की भूमिका मानव के लिए अत्यंत उपयोगी और महत्वपूर्ण सिद्ध होगी।

इसमें विभिन्न तकनीकों का उपयोग करके विकृत या नष्ट हुए अंगों को पुनर्निर्माण किया जाता है। प्लास्टिक सर्जरी का उद्दीपन न केवल रूपांतरण में है, बल्कि यह व्यक्तियों को जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने में भी सहायक है। इस चिकित्सा क्षेत्र में हो रहे नवीन अविष्कारों ने इसे और भी सुगम बना दिया है। नई तकनीकें और उन्नत साधनों के साथ, प्लास्टिक सर्जरी ने अपंगता से पीड़ित व्यक्तियों को नया आत्मविश्वास और जीवन की संभावनाओं को बढ़ावा दिया है। प्लास्टिक सर्जरी द्वारा विभिन्न दुर्घटनाग्रस्त हुए अंगों को पुनः सुधारा जा सकता है।

चेहरा और गर्दन - चेहरे की सुधार और गर्दन के क्षेत्र में प्लास्टिक सर्जरी से व्यक्तियों को चेहरे की समानता की प्राप्ति, रूपांतरण, और त्वचा की सुधार की जाती है।

हड्डियां और जोड़ों की सर्जरी - दुर्घटनाएं जो हड्डियों और जोड़ों को प्रभावित करती हैं, उनकी सुधार के लिए प्लास्टिक सर्जरी एक विकल्प होती है।

हाथ और पैर - चोट, आग, या अन्य यातायात दुर्घटनाओं से प्रभावित हुए हाथ और पैर को भी सुधारने के लिए प्लास्टिक सर्जरी का इस्तेमाल किया जा सकता है।

आने वाले वर्षों में अत्यंत महत्वपूर्ण होगी एक प्लास्टिक सर्जन की भूमिका

मस्तिष्क और नसों की सर्जरी - मस्तिष्क और नसों की सर्जरी के माध्यम से उच्च स्तर की चिकित्सा और रूपांतरण सुविधा प्रदान की जा सकती है, जिससे व्यक्ति को शारीरिक और मानवीय सुधार मिलता है।

स्तन सर्जरी - स्तन सर्जरी के माध्यम से महिलाओं को स्तन कैंसर के इलाज, स्तन सुधार, या स्तन की आकृति में परिवर्तन के लिए सहायता मिलती है। ये केवल कुछ उदाहरण हैं, प्लास्टिक सर्जरी के माध्यम से मानव शरीर के कई अंगों को सुधारा जा सकता है।

संपर्क सूत्र - डॉ जी एस कालरा
मो 98290 50655

रोटेटर कफ आधुनिक जीवन शैली की है देन

डॉ. राजीव गुप्ता

● हैल्थ व्यू

रोटेटर कफ मांसपेशियों और टेंडन्स का ऐसा समूह है, कंधों के जोड़ों के पास होता है और हमारे हाथों को मोड़ने-घुमाने में मदद करता है। रोटेटर कफ की मोटाई मात्र 5 मिलीमीटर होती है इसलिए कई बार गिरने-फिसलने या टक्कर जैसी मामूली घटनाओं से भी रोटेटर कफ में दर्द की समस्या हो जाती है।

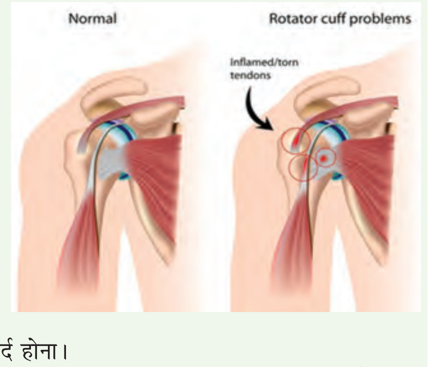

रोटेटेर कफ में समस्या होने के लक्षण के बारे में औरथोस्कोपी एवं स्पोर्ट्स इंजरी सेंटर के ज्वाइंट रिप्लेसमेंट स्पेशलिस्ट डॉ. राजीव गुप्ता का कहना है कि आमतौर पर रोटेटर कफ इंजरी होने के लक्षण नजर आते है। कंधे या फिर ऊपरी बांह में दर्द हाथ ऊपर या फिर बाहर करने में दर्द होना।

- हाथ उठाने में कठिनाई होना।
- रात के समय कंधों में अधिक दर्द होना।
- शर्ट की बांह में हाथ डालने या फिर बालों में कंघी करते समय असहनीय दर्द होना।

संपर्क सूत्र डॉ. राजीव गुप्ता मो- 9414980697

उपचार के तरीके

आर्थ्रोस्कोपिक टेंडन रिपेयर

इस प्रक्रिया में, सर्जन हड्डी में फटे टेंडन को फिर से जोड़ने के लिए छोटे चीरों के माध्यम से एक छोटा कैमरा (आर्थ्रोस्कोप) और उपकरण सम्मिलित करता है।

ओपन टेंडन रिपेयर

कुछ स्थितियों में, ओपन रिपेयर एक बेहतर विकल्प हो सकता है। इस प्रकार की सर्जरी में, क्षतिग्रस्त कण्डरा को हड्डी से जोड़ने के लिए एक बड़े चीरे के माध्यम से काम करेगा।

टेंडन ट्रांसफर

यदि फटा हुआ टेंडन बांह की हड्डी से जुड़ने के लिए बहुत अधिक क्षतिग्रस्त है, तो प्रतिस्थापन के रूप में पास के टेंडन का उपयोग करने का निर्णय लिया जा सकता है।

शोल्डर रिप्लेसमेंट

अगर रोटेटर कफ बुरी तरह से घायल हो गया है तो शोल्डर रिप्लेसमेंट सर्जरी की आवश्यकता हो सकती है।

कृत्रिम जोड़ की स्थिरता को बढ़ाने के लिए, एक अभिनव प्रक्रिया (रिवर्स शोल्डर आर्थ्रोप्लास्टी) कृत्रिम जोड़ों के गोल वर्गों को स्कैपुला और हाथ की हड्डियों के आधार में रखती है।

कैंसर रोग जाँच से भी ज्यादा जरूरी है सावधानी

● हैल्थ व्यू

कहते हैं कि किसी भी रोग के उपचार में जाँच की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, बात भी सही है लेकिन सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के एसोसिएट प्रोफेसर कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. कमल किशोर लखेरा का कहना है कि जाँच से भी ज्यादा महत्वपूर्ण है सावधानी।

कैंसर एक ऐसी बीमारी है जिसके लक्षणों के बारे में आम जनता में जानकारी का अभाव है, साथ ही इसके लक्षण के बारे में बीमारी के बढ़ने पर व्यक्ति को आभास होता है। डॉ. लखेरा ने आमजन को कुछ बिंदुओं पर गौर करने के लिए कहा है कि व्यक्ति के शरीर में यदि निम्न लक्षण दिखाई दे तो कैंसर का संदेह कर जाँच अवश्य करनी चाहिए, जैसे कि - मुंह में छाला हो उसमें रक्तस्राव होता है और काफी दिनों से उपचार के बाद भी ठीक नहीं रहा हो।

डॉ. कमल किशोर लखेरा

डॉ. कमल किशोर लखेरा ने एसएमएस मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस, बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी से मास्टर ऑफ सर्जरी, इंस्टीट्यूट आफ ऑकोलॉजी बेंगलुरु से सर्जिकल ऑकोलॉजी में एम सी एच किया है। स्कूलिंग माहेश्वरी सीनियर हायर सेकेंडरी स्कूल तिलक नगर जयपुर

- शरीर के किसी अंग में रक्तस्राव हो रहा हो,
- शरीर के अंदर ऐसी कोई गांठ जो 15 दिन से ज्यादा की हो और दर्द रहित हो, विशेष बात यह भी कि कैंसर की गांठ में साइज कोई मायने नहीं करता, कैंसर की गांठ का आकार समय के साथ बढ़ता है।

उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि मनुष्य आज भी बायोप्सी से घबराता है, जबकि कैंसर के निदान का एकमात्र प्रारंभिक तरीका बायोप्सी है। उन्होंने निम्न तथ्य पर जोर दिया कि जितना जल्दी निदान होगा, उतना ही अच्छा उपचार होगा। इस बात को विशेष रूप से ध्यान में रखें।

संपर्क सूत्र - डॉ. कमल किशोर लखेरा

SMS पहली बार हुआ बोन मेरो ट्रांसप्लांट

ब्लड कैंसर के मरीजों को मिलेगा फायदा

जयपुर के सवाई मानसिंह हॉस्पिटल की जनरल मेडिसिन डिपार्टमेंट टीम ने ब्लड कैंसर मरीज का बोन मेरो ट्रांसप्लांट किया। ये पहली बार है, जब मेडिसिन विभाग ने इस तरह का ट्रीटमेंट करके कैंसर मरीज का इलाज किया है।

इस नई पहल के बाद अब ब्लड कैंसर मरीज को फायदा होगा। उनकी वेटिंग कम होगी। एलोजेनिक बोन मेरो ट्रांसप्लांट को सबसे जटिल ट्रांसप्लांट माना जाता है। एलोजेनिक ट्रांसप्लांट में मरीज के भाई या बहन से स्वस्थ स्टेम सेल्स लेकर मरीज के शरीर में ट्रांसफर किए जाते हैं। जो विकृत सेल्स का स्थान लेकर स्वस्थ रक्त सेल्स बनाना शुरू कर देते हैं। साथ ही नया इम्यून सिस्टम विकसित होता है। इसमे कैंसर विरोधी क्षमता होती है। सवाई मान सिंह के बोन ट्रांसप्लांट विशेषज्ञ व हेमाटोलॉजिस्ट डॉ. विष्णु शर्मा ने बताया कि उनकी यूनिट में गंभीर ब्लड कैंसर से पीड़ित एक मरीज भर्ती हुआ था। इसे पहले कीमोथेरेपी देकर कैंसर को कंट्रोल किया। बाद में कैंसर की गंभीरता को देखते हुए बोन मेरो ट्रांसप्लांट का सुझाव दिया।

लम्बे समय तक करनी पड़ती है मॉनिटरिंग - डॉ. विष्णु शर्मा ने बताया कि मरीज और परिवार को इलाज की प्रक्रिया विस्तार से समझाने और सहमति के बाद ट्रांसप्लांट किया। उन्होंने बताया कि स्टेम सेल प्रत्यारोपण के बाद वाला समय बहुत संवेदनशील होता है। इसमें मरीज के ब्लड सेल्स व प्लेटलेट्स बहुत कम हो जाते हैं।

मरीज को गहन देखरेख की जरुरत होती है। इसमें मरीज के इलाज कि प्रक्रिया पूर्व निर्धारित प्रोटोकोल के तहत की जाती है। बहुत सारे विभागों के कॉर्डिनेट करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि मरीज अब पूरी तरह से स्वस्थ है। छुट्?टी दे दी गई है। उन्होंने बताया- इस ट्रीटमेंट में सीनियर प्रोफेसर डॉ. अभिषेक अग्रवाल का प्रमुख सहयोग रहा। ट्रांसप्लांट टीम के अन्य सदस्य डॉ. आशुतोष राय, डॉ. कमलेश राजपुरोहित, डॉ. कुलदीप स्त्रवता और डॉ. हर्ष सैनी की भागीदारी अहम रही। पहली बार 2022 में किया पहली बार एसएमएस में स्टेम सेल ट्रांसप्लांट के जरिए ब्लड कैंसर मरीज का ट्रीटमेंट पहली बार नवंबर 2022 में किया गया था। तब ये ट्रीटमेंट इम्यूनो हेमेटोलॉजी एंड ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन डिपार्टमेंट ने ऑन्कोलोजी डिपार्टमेंट के साथ किया था। अब पहली बार जनरल मेडिसिन डिपार्टमेंट ने स्टेम सेल ट्रांसप्लांट के जरिए ब्लड कैंसर मरीज का ऑपरेशन किया।

बिगड़ती जीवन शैली के कारण संस्कृति का हनन, चिंतन का है विषय

डॉ सुमित गक्खड़

हमारे भारत में भी 1 जनवरी को जोर शोर से नववर्ष मनाया जाने लगा है। पश्चिमी सभ्यता अंग्रेजी कैलेंडर पर नव वर्ष सेलिब्रेट किया जाता है। इस बारे में नारायण मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल के मानसिक रोग विशेषज्ञ डॉक्टर सुमित गक्खड़ का कहना है कि लेकिन यह क्या संस्कृति सामने आ रही है कि नव वर्ष की पूर्व संध्या पर नशे में चूर हो जाए रातें काली करें और सुबह अपना दिन खराब करें।

आजकल की युवा पीढ़ी में नववर्ष की पूर्व संध्या हो या कोई भी त्यौहार हो उनके लिए खुशी का मतलब नशा हैं। वह सोचते हैं नशा नहीं किया तो खुशी नहीं मिली। युवाओं में यह सोच पनप रही है कि पार्टी का मतलब अल्कोहल। आजकल युवा पीढ़ी गांजे का सेवन भी बहुत करने लगी है स्कूल कॉलेज के लड़कों को गांजा का सेवन करते हुए देखा जा सकता है।

आज बिगड़ी जीवन शैली में युवाओं में तीन बुरी आदतें सामने देखने को मिल रही है पहला नशा दूसरा रिलेशनशिप तीसरा क्रोध उत्तेजना। अभी हाल ही हमारे सामने इन तीनों बुरी आदतों के क्लासिकल उदाहरण सामने आया है जिस कारण हुए मर्डर बलात्कार के केसेज को मीडिया ने बहुत उछाला है। इन सब का जिम्मेदार काफी हद तक सिनेमा का बिगड़ता स्वरूप है।

आजकल की सिनेमा में स्टंट और हिंसा भरपूर दिखाई देती है। इन पर अंकुश लगाना चाहिए।

सिनेमा में आज भी 1984 के शराबी मूवी के गाने लोग कहते हैं मैं शराबी हूं और नशा शराब में होता तो नाचती बोतल चार बोतल वोतका काम मेरा रोज का। जैसे गानों का प्रचलन रुका नही है। इन गानों से युवा पीढ़ी भ्रमित होती है। उनके लिए आनंद का दूसरा पर्याय नशा बन रहा है। इसके अलावा उन्होंने बेहद चिंताजनक स्थिति पर गौर करते हुए बताया कि आजकल लिविंग रिलेशनशिप भी काफी देखने को मिल रही है जो एक धीमा जहर है यह प्री मैरिज रिलेशनशिप शादी के बाद भी एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर्स को बढ़ावा दे रहा है जो अत्यंत घातक तस्वीर पेश करेगी।

युवा पीढ़ी हो रही है नशे में चूर - रातें कर रहे काली

युवा पीढ़ी में दिन प्रतिदिन संस्कारों में गिरावट देखने को मिल रही है इसका समाधान के बारे में डॉक्टर गक्खड़ कहते हैं कि हमें जीवन में अध्यात्म को शामिल करना चाहिए आध्यात्मिक ही हमें जीवन जीने का तरीका सिखाएगा। अध्यात्म में अनुशासन और मर्यादा है जिससे जीवन सफल होता है। आज की जरूरत है को हमें शिक्षा में आध्यात्मिक को शामिल किया जाना चाहिए ताकि युवा पीढ़ी में आध्यात्म के महत्व के बारे में अच्छी तरह पता चल जाए।

संस्कारों की ही होती है विजय

संपर्क सूत्र डॉ सुमित गक्खड़
मो 74129 66986

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
Dr. Goyal's
PATH LAB & IMAGING CENTRE
Dr. Piyush Goyal
MBBS, DMRD
Director & Chief Radiologist
• MRI (3 Tesla) • CT SCAN (32 Slice) • 3D/4D ULTRA SONOGRAPHY • COLOUR DOPPLER • CTMT • 2D ECHO • ECG • NCV • EEG • EMG • LABORATORY • DIGITAL X-RAY
B-51, Ganesh Nagar, Near Metro Pillar No. 109-110
New Sanganer Road, Sodala, Jaipur
Ph: 0141-2293346, 4049787, 9887049787

World Class
NEURO FACILITY IN RAJASTHAN
NEURO CARE HOSPITAL
& Research Centre Pvt. Ltd.
DIRECTOR
Dr. Nemi Chand Poonia
Facility | Vision of Excelence Mission to Save Lives
- 13 Bedded ICU with 24 Hrs. Ambulance Services
- 24*7 Medical Store and emergency Services
- All kind of Neuro Surgery
- Round the clock Lab/ Digital X Ray/C. T. Scan/ M.R.I. & C-Arm
- Neuro Endoscope for Cranial and SpinalSurgery
- Highly Equipped Critical Care Unit
- World Class Modular Operation Theatre
- Neuro Navigation System Cranial and Spinal Navigation
- Haag Streit Surgical Operating Microscope Model-hs20-1000gm & Sonopet (CUSA)
- A.C. / Super Deluxe Rooms / Twin Sharing Deluxe Rooms
1/611 Sector 1, Vidhyadhar Nagar Jaipur
PH: 0141-2236712, 9983300286

Manik Chand & Sons
(Jewellers) Pvt.Ltd
Platinum, Diamond, Gold,
Sliver, Pearl & Watches
Christian Basti, G.S. Road, Guwahati
Assam - Mob- 96780-68944
Email : info@mcj.net.in
Website : manikchandjewellers.com

आधुनिक लेजर नेत्र चिकित्सा में राज्य का गौरव
स्माईल लेसिक
चश्मा हटाने
का राज्य में एकमात्र स्थान
SMILE LASIK
बिना फ्लेप, बिना ब्लेड
लेजर द्वारा चश्मा हटाना,
पतले कार्निया के लिए
भी अधिक सुरक्षित
VisuMax Laser
राज्य/केन्द्र सरकार कर्मचारियों, पेन्शनर्स एवं मेडिकल के लिए अधिकृत नेत्र चिकित्सालय
डॉ.वीरेन्द्र लेजर, फेको सर्जरी सेन्टर
टोंक फाटक, फोर्ड शोरूम के पीछे,टोंक रोड़, गांधी नगर, जयपुर
9829017147, 9414043006 www.newsperfectvision.com

डॉ. नारंग हॉस्पिटल
Super Speciality Excellence Chest, Infertility & Urosurgery
डॉ. राजीव नारंग
MBBS MD
Chest Physician & Pulmonologist
Speciality in
Asthma, Allergy, Fibre Optic Bronchoscopy, Allergy Skin Prick Test & Sleep Disorder
ए-288 नेशनल हैण्डलूम के पीछे, वैशाली नगर जयपुर मो. 94142-50617

उपचार से बेहतर है रोकथाम, स्वस्थ शरीर के लिए व्यायाम

''विचार'' ॐ

नए साल में एक प्रण जरुर लें

पंकज अंबा

2023 का दिसम्बर खत्म होने और फिर एक बार नये साल को देखने का मौका मिला। धन्यवाद देवे उस मालिक का जिसने यह मौका फिर दिया और धन्यवाद उन सब की दुआओं का जिनकी वजह से यह साल गुजर गया। शुक्र ही है कि किसी की बददुआ नहीं लगी वरना हम ही गुजर जाते।

आज हर आदमी सोच में डूबा है कि उसने क्या पाया पिछले साल में। ज्यादातर लोगों की नजर अपने फाइनेन्स पर होती है। किसी को जन्म की खुशी मिली तो किसी को मौत का गम। पर मेरा यह मानना है कि शायद ही 2 प्रतिशत लोग होंगे जिन्होंने अपनी सांसों की पूँजी 1 साल खर्च करके कुछ पाया होगा, वरना सब की पूँजी घाटे में ही गयी होगी, कुछ नहीं कमाया सिर्फ सांसों के सहारे इस मिट्टी के षारीर में जान ही डालते रहे। अगर सच्चे मन से आज कुछ देखना है, कुछ सोचना है तो देखो झाँक कर, अपने पिछले साल में, कितनों के साथ तुमने जान कर पाप किये (पुण्य मत गिनना वरना अहँकार आ जायेगा) और कितनों के साथ अनजाने में हो गये।

Happy New Year
2024

अगर करना है कुछ इस नये साल में तो कसम लो अपने आपको पक्का करो कि उन सब का इस साल ऋण उतारोगे तब तो तुम्हारा यह साल-नया साल एक नया जीवन लेकर आयेगा वरना फिर यह कौल्हू का बैल एक चक्कर और काट जायेगा आँखों में पट्टी बाँधे जिसने देखना-समझना कुछ नहीं सिफचलना है। बड़ी किस्मत वाले हो जो आज परिवार के साथ नये साल का प्रोग्राम टी.वी. में देखा। वरना पूछो उन लोगों से उनके दिलों से जिनके घरों में इस समय 1-2 कुर्सियां खाली हो गयी है इसलिये मालिक का धन्यवाद करो जिसने यह दिन तुमको दिखाया, अगर छोड़ना है आज, तो छोड़ो सिर्फ एक चीज एक वृत लो कि जो चीज मैं दे नहीं सकता किसी से छीनूंगा नहीं।

फिर देखो तुम्हारा जीवन सम्भल जायेगा और अगर पकड़ना है कुछ तो सिर्फ एक वृत लो रोज अपना काम अपना दिन शुरू करने से पहले मंदिर जाओ तुमको अपने आज अपने अदंर बदलवाव नजर आयेगा।

आप सब को मेरी तरफ से नए साल की शुभकामनायें मालिक सभी को सुख-समृद्धि दे।

संपर्क सूत्र-पंकज अंबा
मो. 9829353757

एंटीबॉयोटिक लेने से पहले करें विचार

डॉ. राजेन्द्र धर

एंटीबॉयोटिक के प्रति प्रतिरोधक क्षमता या रेजिस्टेंस पैदा हो रही है, जो सेहत के लिए सबसे बड़े खतरों में से एक है। छोटे-मोटे संक्रमण के लिए भी एंटीबॉयोटिक का बेवजह इस्तेमाल हो रहा है, जिससे बैक्टीरिया इनके प्रति प्रतिरोधक क्षमता विकसित कर रहे हैं।

आमतौर पर हर छोटी-बड़ी बीमारी के लिए लोग झट से एंटीबॉयोटिक ले लेते हैं, लेकिन निम्स मेडिकसल कॉलेज एवं अस्पताल के विशेषज्ञ डॉ. राजेन्द्र धर ने नववर्ष का संदेश देते हुए कहा कि इन दवाओं को लेकर लोगों को आगाह किया है।

उनका कहना है कि एंटीबॉयोटिक के प्रति प्रतिरोधक क्षमता या रेजिस्टेंस पैदा हो रही है, जो सेहत के लिए सबसे बड़े खतरों में से एक है। छोटे-मोटे संक्रमण के लिए भी एंटीबॉयोटिक का बेवजह इस्तेमाल हो रहा है, जिससे बैक्टीरिया इनके प्रति प्रतिरोधक क्षमता विकसित कर रहे हैं। डॉ. धर ने मरीजों को सलाह दी है कि वे दवाओं का सेवन जरा सोच-समझकर करें। खासकर तब जब बहुत कम नई एंटीबॉयोटिक दवाएं विकसित हो रही हैं। जिस स्तर और दर से एंटीबॉयोटिक दवाएं अपना असर खो रही हैं, वह चिंता का विषय है और इस असर को बदला नहीं जा सकता। एंटीबॉयोटिक दवाओं के प्रति बैक्टीरिया तेजी से प्रतिरोधक क्षमता विकसित कर रहे हैं।

ब्रिटिश डिजीज एक्सपर्ट के मुताबिक एंटीबायोटिक्स का कोर्स पूरा करने की सलाह आपको ड्रग रेसिस्टेंट बना रही है यानि इससे बाकी दवाओं का असर बॉडी में कम हो रहा है। वहीं ब्रिटिश मेडिकल जर्नल की टीम का कहना है कि एंटीबायोटिक दवाईयों को रोकना नहीं चाहिए क्योंकि दवाईयों का असर गलत दवाईयों का उपयोग करने से खत्म हुआ है।

वर्लड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन भी एंटीबायोटिक्स का कोर्स पूरा करने की सलाह देती है। ब्रिजॉन और ससेक्स मेडिकल स्कूल के एक्सपर्ट मार्टिन लेवेलिन की टीम का कहना है कि वे पॉलिसीमेकर्स, एड्यूकेटर्स और डॉक्टर्स को एंटीबायोटिक्स दवाओं का कोर्स पूरा करने की सलाह नहीं देनी चाहिए। हालांकि अभी इस पर और रिसर्च जारी है।

लंदन के रॉयल कॉलेज ऑफ जनरल प्रैक्टिसनर के हेलन स्टोक्स लेम्पारड का कहना है कि नए सबूतों पर ध्यान देना जरूरी है लेकिन एक स्टडी को देखकर कोई नतीजा नहीं निकाला जा सकता।

संपर्क सूत्र डॉ. राजेन्द्र धर
मो. 9414073962

दादी मां के नुस्खे

सहारा आयुर्वेदिक सेंटर के डॉ. अशोक शर्मा का कहना है कि मानव शरीर के रोगोपचार में कई बार घरेलू नुस्खे बहुत कारगर होते हैं।

बुखार या तो गलत आहार-विहार के कारण

ज्वर यानी बुखार या तो गलत आहार-विहार के कारण, कुपित हुए दोषों से उत्पन्न या किसी आगंतुक के कारण होता है। इसे आसान और मामूली रोग नहीं समझना चाहिए, अगर बुखार बिगड़ जाए, इसका उलेटा हो जाए तो जान आफत में पड़ जाती है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान के अनुसार अधिकांश बुखार बैक्टीरियल या वायरल इन्फेक्शन्स यानी संक्रमण होने पर होते हैं, जैसे टायफाइड, टांसिलाइटिस, इन्फुएन्जा या मीजल्स आदि बुखार हैं। वैसे बिना संक्रमण के भी बुखार होता है, जैसे जलीयांश की कमी या थायरोटाक्सीकोसिस, मायोकार्डियल इन्फार्कशन और लिम्फोमा आदि।

यदि बुखार किसी इन्फेक्शन के कारण होता है तो ऐलोपैथिक चिकित्सा पद्धति के अनुसार रोगी को एण्टीबायोटिक दवाई दी जाती है और कोर्स के रूप में तब तक दवा दी जाती है, जब तक इनफेक्शन समाप्त नहीं हो जाता। आयुर्वेद की चिकित्सा पद्धति रोग को दबाने की नहीं, रोग को कारण सहित जड़ से उखाड़कर फेंकने की है। आयुर्वेद ने ज्वर के 8 भेद बताए हैं यानी ज्वर होने के 8 कारण माने हैं।

1. वात 2. पित्त 3. कफ 4. वात पित्त 5. वात कफ 6. पित्त कफ 7. वात पित्त कफ। इनके दूषित और कुपित होने से तथा 8. आगन्तुक कारणों से बुखार होता है। ज्वर 104 या अधिक डिग्री तक पहुंच गया हो तो सिर पर ठंडे पानी की पट्टी बार-बार रखने, पैरों के तलुओं में लौकी का गूदा पानी के छींटे मारते हुए घिसने और बाद में दोनों तलुओं में 1-1 चम्मच शुद्ध घी मसलकर सुखा देने से ज्वर उतर जाता है या हल्का तो होता ही है।

संपर्क: डॉ. अशोक कुमार शर्मा
मो. 9314512311

उपरोक्त नुस्खे चिकित्सक की सलाह से ही लें।

डॉक्टर बच्चे की बीमारी नहीं ढूंढ़ सके, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने नई जिंदगी दी

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस बड़ा बदलाव ला रहा है। इसका ताजा उदाहरण अमेरिका में सामने आया। यहां रहने वाली कर्टनी के 4 साल के बेटे को एक अजीब बीमारी हो गई। वो दर्द से तड़पता था। हर तरह की चीजों को चबाने की कोशिश करता। लंबाई बढ़ना बंद हो गई थी। उसके शरीर के बाएं और दाएं हिस्से में असंतुलन दिखता। तीन साल तक अलग-अलग वक्त पर 17 डॉक्टर्स ने देखा, लेकिन कोई भी बीमारी का पता नहीं लगा सका। थक हार कर मां कर्टनी ने इलाज के लिए ढ्ढ टूल ChatGPT का सहारा लिया। उसने बच्चे की एमआरआई नोट्स को क्रमानुसार चैटजीपीटी में प्लग किया। चैटजीपीटी ने नोट किया कि एलेक्स पालथी मारकर नहीं बैठ सकता। इसकी वजह संरचनात्मक हिस्से में दिक्कत हो सकती है और उसने अपने निष्कर्ष में बताया कि एलेक्स न्यूरोलॉजिकल सिंड्रोम 'टेथर्ड कॉर्ड' से जूझ रहा है। इसमें रीढ़ की हड्डी रीढ़ के आसपास के ऊतकों से जुड़ी होती है। इसके बाद कर्टनी ने एक अन्य न्यूरोसर्जन के सामने चैटजीपीटी का सुझाव रखा। डॉक्टर ने पाया कि चैट जीपीटी सही है। मामले में डॉक्टर एमआरआई नोट्स से यह पता लगाने में समर्थ थे कि एलेक्स की रीढ़ में समस्या कहां पर है। लेकिन वे इसे पकड़ नहीं पाए। इसके बाद एलेक्स के रीढ़ की हड्डी की सर्जरी हुई है। वह ठीक हो रहा है।

AI के जरिए मेडिकल के 5 क्षेत्रों में बेहतरीन काम - ब्रिटेन के नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर हेल्थ एंड केयर रिसर्च के मुताबिक, ढ्ढ ने बीमारियों की स्क्रीनिंग और इलाज दोनों आसान किया है। AI के जरिए अस्पतालों को पहले ही पता चल जाता है कि कब कितने बेड की जरूरत है। AI के जरिए ब्रेस्ट स्क्रीनिंग से रेडियोलॉजिस्ट का काम आधा हो गया है। एनआईएचआर की रिपोर्ट के मुताबिक, अभी AI के जरिए मेडिकल के 5 क्षेत्रों में बेहतरीन काम हो रहे हैं। रिपोर्ट तैयार करने वाली वरिष्ठ रिसर्च फेलो डॉक्टर जेमा क्रिंट कहती हैं कि AI पर भरोसा दिखाने का समय आ गया है। आंख में होने वाली संभावित बीमारियों का भी AI के जरिए पता लगाया जा रहा है। 2,500 लोगों की आंखों की जांच में AI ने 6 में से 5 में सही भविष्यवाणी की थी।

ब्लड टेस्ट से भी दिल का दौरा नाप सकते हैं - आमतौर पर दिल के दौरे का पता अस्पताल पहुंचने के बाद ही चलता है, लेकिन ढ्ढ आधारित स्मार्ट स्टेथोस्कोप से घर पर ही प्राइमरी स्टेज में दिल के दौरे का पता चल जाएगा। यह 90 प्रतिशत तक सही बताता है। एक दूसरे शोध से यह पता चला है कि रूटीन ब्लड टेस्ट से भी AI एप्लीकेशन से पता चल जाएगा कि किसी व्यक्ति को दिल का दौरा पड़ा था। अभी 100 में से 1 को दिल का दौरा पड़ता है।

किस मरीज को कितनी दवा ? - AI के जरिए कैंसर का पता जल्दी चल जा रहा है। AI सिटी स्कैन से ही कोशिकाओं की ग्रोथ मैप कर सकते हैं। कोशिकाओं की अनियमित वृद्धि से कैंसर होने का पता तुरंत चल जाता है। AI के जरिए डॉक्टर यह भी पता कर सकते हैं कि कैंसर कोशिकाओं को नष्ट करने के लिए किस मरीज को कितनी दवा दी जाए।

किस समय कितने बेड की जरूरत ? - AI की वजह से अस्पताल का प्रबंधन आसान हुआ है। अब अस्पताल को पहले से पता होता है कि किसी समय किसी इलाके के अस्पताल को कितने बेड की जरूरत पड़ेगी।

दरअसल, ब्रिटेन के शोधकर्ताओं ने ऐसा AI मॉडल विकसित किया है, जो एंबुलेंस और इमरजेंसी सेवा से जुड़े रहते हैं।

ठंड में सावधान रहे ब्लड शुगर रोगी

डॉ. गोपाल खण्डेलवाल

श्री हॉस्पिटल के विशेषज्ञ डॉ. गोपाल खंडेलवाल का कहना है कि आपके खून में ब्लड शुगर के स्तर पर मौसम सीधा असर डालता है। सर्दियों में खून गाढ़ा हो जाता है और इस वजह से ब्लड शुगर का स्तर बदलता रहता है। डायबिटिज पीड़ितों को चिकित्सकों की सलाह है कि वे सर्दियों में खुद को गर्म रखें और पौष्टिक आहार लें।

मौसम में ठंडक आ जाने से पसीने छुड़ा देने वाली गर्मी से तो राहत मिलती है, लेकिन जो लोग डायबिटीज से पीड़ित हैं, उन्हें इस मौसम में अपना ध्यान ज्यादा रखना चाहिए।

गर्मी और सर्दी दोनों मौसमों के शिखर पर डायबिटिज पीड़ितों के ब्लड शुगर के स्तर में गंभीर उतार-चढ़ाव हो सकता है। सबसे अहम बात यह कि मौसम बदलने का शरीर की कार्यप्रणाली और इनसुलिन बनने की प्रक्रिया पर असर पड़ सकता है। जब तापमान कम होता है तो शरीर को अच्छे से चलाए रखने के लिए अधिक इनसुलिन की जरूरत होती है।

यह भी आम बात है कि जब सर्द मौसम के बाद का मौसम आता है तो शरीर में इनसुलिन की जरूरत कम हो जाती है। उन्होंने कहा कि इस बदलाव की वजह से शरीर में ग्लूकोज और फेरिफेरल टिशू (सतही उत्तकों) में इनसुलिन की मात्रा बढ़ जाती है। सर्दियों में लोग तनाव ज्यादा लेते हैं और टेंशन के शिकार हो जाते हैं। इस टेंशन की प्रतिक्रिया में ब्लड शुगर का स्तर बढ़ जाता है।

संपर्क सूत्र डॉ. खंडेलवाल मो. 94140 78887

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
प्रिया डेंटल केयर
डॉ मुकेश शेरावत
डेंटल सर्जन

Specialised
RCT, Capping,
Implant
37 ए ब्रज वाटिका 7 नंबर स्टैंड जगतपुरा
जयपुर मोबाइल 98751 97002

नवजात शिशुओं में जॉन्डिस घबराएं नहीं

डॉ. ललित भरड़िया

जयपुर के प्रसिद्ध शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. ललित भरड़िया ने कहा की नवजात शिशुओं में जॉन्डिस होना आम बात है। इससे घबराएं नहीं। कई नवजात शिशुओं का लीवर पहले हफ्ते में ठीक से काम नहीं करता, जिससे उनके रक्त में बिलिरूबिन नामक पीले रंग का तत्व इकट्ठा हो जाता है। इसी कारण से बच्चों को पीलिया हो जाता है। बच्चों के लीवर में मौजूद एक एंजाइम पीलिया को कम करता है। जिन बच्चों में इस एंजाइम की मात्रा कम होती है, उन्हें पीलिया होने की आशंका बढ़ जाती है। जन्म के दूसरे-तीसरे दिन से जॉन्डिस के लक्षण प्रकट होने लगते हैं। पांचवें से सातवें दिन प्रकोप बढ़ जाता है और बारह-चौदह दिनों में यह ठीक होने लगता है। दरअसल, कुछ समय बाद लीवर जब ठीक से काम करने लगता है, तो बिलिरूबिन बाहर निकल कर जॉन्डिस खुद ही ठीक हो जाता है।

सावधानियां - भले ही पीलिया होने पर नवजात शिशु को विशेष उपचार की जरूरत न हो, लेकिन सावधानी के तौर पर शिशु रोग विशेषज्ञ को दिखा लेना जरूरी है। कभी-कभी लीवर बढ़ने का रिस्क हो सकता है। कभी-कभी बच्चे में खून की कमी हो सकती है और वह मुंदबुद्धि भी हो सकता है। लापरवाही बरतने पर गंभीर स्थितियां भी उत्पन्न हो सकती हैं कि बालक का जीवन ही खतरे में पड़ जाए। इस लिए सतर्कता बरतना बेहद आवश्यक हो जाता है।

इलाज जरूरी -किन्हीं खास परिस्थितियों में शिशु का तुरंत इलाज करवाना जरूरी हो जाता है, क्योंकि कभी-कभी फिजियोलॉजिकल जॉन्डिस खतरनाक रूप धारण कर लेता है। इस स्थिति में मां और बच्चे दोनों का उपचार जरूरी हो जाता है- जब मां का ब्लड ग्रुप ओ नेगेटिव हो और बच्चे का ब्लड ग्रुप ओ पॉजिटिव हो। जब इंफेक्शन या थायरॉइड की प्रॉब्लम हो।

संपर्क सूत्र डॉ. ललित भरड़िया मो. 9829124065

हैल्थ हंगामा

एक डॉक्टर साहब को शेरों शायरी का चस्का लग गया, धीरे-धीरे इतना बढ़ा कि वह मरीजों को हिदायतें भी शायरी की शक्ल में ही देने लगे. कुछ नमूनों पर गौर फरमाइयेगा...
दिल मेरा टूटा गया उठी जब
उसकी डोली, सुबह दोपहर शाम
बस एक-एक गोली

……

एक अमेरिकी डॉक्टर भारत आया, बस स्टेंड पर एक किताब देखते ही उसे दिल का दौरा पड़ गया। बीस रुपए की इस किताब को नाम था तीस दिन में डॉक्टर कैसे बनें।

……

आपने कभी सोचा है ? अस्पताल में ऑपरेशन से पहले मरीज को बेहोश क्यूं किया जाता है? अगर बेहोश नहीं किया और मरीज ऑपरेशन करना सीख गया तो डॉक्टरों को कौन पूछेगा।

……

डॉक्टर ने महिला के मुंह में थर्मामीटर रख कर कुछ देर मुंह बन्द रखने को कहा...
पत्नी को खामोश देख कर पति ने पूछा...डॉक्टर साहब...
ये जादुई चीज कितने की आती है?

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
चौधरी बवासीर अस्पताल
लाल कोठी, इन्द्रा कॉलोनी, सुभाष मंडी,
नीम का थाना जिला सीकर
फोन 230578
डॉ. होशियार सिंह चौधरी
मो. 8104206545

BHARAT
Medical Center
Bharat Lakhera
Pharmacist
Dudu Road, Bus Stand Naraina
Mob. 9413328738, 7976001008

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
अखिला हॉस्पिटल
हड्डी के सभी प्रकार के फ्रेक्चर का इलाज
बिना चीड़-फाड़ के सी आर्म मशीन द्वारा टूटी हड्डी को जोड़ना
लकवे का इलाज, मांस पेशियों का इलाज आदि
घूटनों, जोड़ों, कमर दर्द का इलाज, पुरानी टेडी मेडी जुड़ी हड्डी के ऑपरेशन की सुविधा
डॉ. असीम गुप्ता एम एस ओर्थो
डॉ. सपना गुप्ता एमबीबीएस एमडी
पुरानी चुंगी, पालड़ी मीणा, आगरा रोड, जयपुर मो. 9928461253, 9929026117

जुगल किशोर अग्रवाल
शेखावटिया मेडिकल
एस-22 महारानी फार्म दुर्गापुरा
जयपुर मो. 9928383541

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
गोपाल लाल
गोविन्द शरण अत्तार
हकीम गोपाल लाल
जड़ीबूटियां, सुखे मेवे, यूनानी आयुर्वेदिक दवाईयां शर्बत मुरब्बे ईत्यादी
1460, पुलिस थाने के सामने, सुभाष चौक, जयपुर - 9024870079

Fixed Teeth
only in 1 Hour
Dr. Preeti Mittal
ORAL DENTAL SURGEON
105, vrindavan vihar
colony King's Road
Nirman Nagar Jaipur
Mo: 9829460460

ASHOKA
FURNISHINGS
G.S Road, Guwahati-5,
Tel - 0361-2457801-02,
Babu Bazaar, Fancy Bazaar Guwahati-1
0361-2637326
31, Sarawgi Mansion, M.I. Road, Jaipur,
Tel - 0141-2576526/2572505

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
H.N. NURSING HOME
चूरू क्षेत्र का एक विश्वसनीय केन्द्र
Dr. MUMTAJ ALI
Churu- Rajsthan Mob. 9414084525 Ph: 250763

सूचना

हैल्थ व्यू में प्रकाशित लेख लेखकों के अपने विचार हैं और केवल आपकी जानकारी के लिए है कोई भी लेख पर अमल करने से पूर्व अपने चिकित्सक से परामर्श अवश्य कर लें। हैल्थ व्यू के सम्पादक, प्रकाशक व मुद्रक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है।

THE EDITTORIAL BOARD DOES NOT ENDORSE ANY PRODUCTS ADVERTISED IN THIS NEWSPAPER.
किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र केवल जयपुर होगा।

प्रत्येक अंतिम शनिवार को निःशुल्क एक्युप्रेशर व रेकी चिकित्सा जिसमें शारीरिक, मानसिक व चर्म से संबंधी रोगों का उपचार होगा।
संपर्क सूत्र
आकृति क्लिनिक
डॉ. पमिला छाबड़ा
मो. : 9829735666
रेकी व एक्युप्रेशर प्रशिक्षण हेतु संपर्क करें

Rama
SAREE PALACE
नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
बिचला बाजार भिवानी हरियाणा मो. 9812041226

JANGID HOSPITAL
Nawalgarh, Jhunjhunu Distt.
झुंझनु जिले के निवासियों की स्वास्थ्य रक्षा का प्रहरी
Dr. Manish Sharma
Consultant Anaesthesiologist & Intensivist
Mo: 9414402800, Ph: 1594-225500

LIFE SAVER
A SHOP OF LIFE SAVING DRUGS
STOCKISTS FOR
Cancer & Cardiac Medicines, Disposable Surgery Items Nutrition Fluids
168, Nehru Bazar, JAIPUR
TelÑ 2313129, 2310483, 2313281, MobÑ 98290-14267
DELIVERY FACILITY AVAILABLE

MAHAVEER DIAGNOSTIC
Super Speciality Lab
Thyroid ❖ Harmones ❖Tumour Markers ❖ Infertility/ Pregnency Hormones❖ Torch ❖ Metabolic Hormones ❖ Druf Assays
Dr. Manoj Jain
Mob. 94144-60959
ECHO & COLOR DOPPLER CENTRE
Whole Body Color Doppler Study, 2 D Echo- Adult & Paediatric, Carotid Doppler, Peripheral & Renal Doppler, Small Parts - Penile Doppler, Fetal Doppler & Echo
Manav Ashram, Gopalpura Mod, Jaipur Ph: 2704787

Happy New Year
KRISHNA DISTRIBUTORS
A House of Generic Medicine & Surgical Items
Jitendra
Kumar Sharma
Mob.No. 9414304446
9351010190
Himalaya
HERBAL HEALTHCARE
15, Tara Nagar-D, North, Opp. Paradise, Jhotwara Jaipur

विज्ञापन के लिए संपर्क करें
मो- 9829066272

महत्वपूर्ण सूचना

बिना रसीद के किसी प्रतिनिधी को राशि ना देवें और रसीद को निम्न व्हाट्सएप्प नंबर पर 9829066272 पर भेज देवें।

आज्ञा से - प्रबन्धक - हैल्थ व्यू

ICU बदलाव सराहनीय पहल

संपादकीय

किसी मरीज को ICU में भर्ती करने के लिए गाइडलाइंस लाने का केंद्र सरकार का फैसला वक्त की जरूरतों के अनुरूप है। यह पहला मौका है, जब सरकार ने ऐसा कोई गाइडलाइन जारी किया है। कई वजहों से इसकी जरूरत महसूस की जाने लगी थी।

एक्सपर्ट्स पैनल – इस कदम के साथ जुड़ी आश्वस्त करने वाली पहली बात यह है कि गाइडलाइन क्रिटिकल केयर मेडिसिन के एक्सपर्ट माने जाने वाले देश के 24 डॉक्टरों की समिति ने तैयार की है। दूसरी बात यह कि इसे अनिवार्य नहीं बनाया गया है। इसे सलाह या मार्गदर्शन के ही रूप में रखा गया है। ऐसा करना जरूरी इसलिए था क्योंकि मरीज की स्थिति के बारे में हमेशा पहले से तय खांचे में नहीं सोचा जा सकता।

आ रही थीं शिकायतें – निजी पूंजी के आने से पिछले कुछ वर्षों में देश में हेल्थकेयर स्ट्रक्चर का तेजी से विकास हुआ है। प्राइवेट हॉस्पिटलों की संख्या बढ़ने से लोगों की चिकित्सा सुविधाओं तक पहुंच बढ़ी है। लेकिन इन अस्पतालों में ICU बेड का खर्च जनरल वार्ड के मुकाबले पांच से दस गुना ज्यादा होता है। ऐसी शिकायतें रही हैं कि मरीज को जरूरत न होने पर भी ICU में भर्ती कर लिया गया या यह कि ICU में भी आवश्यक चिकित्सा सेवा समय पर उपलब्ध नहीं हुई।

प्राथमिकताओं का सवाल – जाहिर है, इस गाइडलाइन की जरूरत थी। हालांकि कुछ हलकों से यह आवाज भी आई है कि देश में खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सा सुविधाओं की पहुंच नाकाफी है और इसलिए सरकार को अपनी प्राथमिकता ढ्ढष्ट सुविधाओं को सीमित करने के बजाय इसे सब तक पहुंचाने की होनी चाहिए। लेकिन ICU संसाधन हर देश में सीमित ही होते हैं। इसलिए यह जरूरी हो जाता है कि इसका गैरजरूरी इस्तेमाल न हो ताकि यह सभी जरूरतमंदों को उपलब्ध हो सके। विकसित देशों में भी ऐसे प्रोटोकॉल रखे जाते हैं।

12वीं पास सोशल मीडिया से बांट रहा था फर्जी डिग्रियां

वैभव अग्रवाल

एक कॉल सेंटर चलाने वाले 12वीं पास ने राजस्थान ही नहीं बल्कि पूरे देश में फर्जी डिग्रियों का गिरोह फैला रखा था। खास बात ये थी कि गिरोह में शामिल लोग एक-दूसरे को जानते तक नहीं थे और सोशल मीडिया पर धड़ल्ले से फर्जी डिग्री बांटी गई। दरअसल, अशोक कुमार गुप्ता ने थाने में कोर्ट के जरिए रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। जोधपुर के कुड़ी भगतासनी थाना पुलिस ने 21 दिसंबर को नागौर के संजय कॉलोनी हाल माता का थान 80 फीट रोड गांधी? नगर निवासी नरेश प्रजापत (28) को गिरफ्तार किया था। नरेश से पूछताछ के बाद पुलिस 26 दिसंबर को दिल्ली के बुराड़ी संत नगर निवासी मदनलाल को गिरफ्तार कर जोधपुर लेकर आई। पुलिस ने सबसे पहले नरेश के ठिकानों की तलाशी ली। जहां से 15 से ज्यादा कॉलेज व यूनिवर्सिटी की फर्जी डिग्री बरामद की गई। यहां से पूछताछ में सामने आया कि नरेश इन फर्जी डिग्री को दिल्ली में रहने वाले मदनलाल नाम के युवक से तैयार करवाता था। नरेश मदनलाल से कभी मिला नहीं था। लेकिन वह सोशल मीडिया से उससे कनेक्ट था। इसी आधार पर पुलिस मदनलाल के कॉल सेंटर तक पहुंच गई।

दोनों मिलकर तीन साल से लोगों को ठग रहे थे – मदनलाल दिल्ली में लोगों को अलग-अलग कोर्स में एडमिशन दिलवाने का फ्रॉड करने के लिए एक कॉल सेंटर ऑपरेट करता है। सबसे बड़ी बात यह है कि तीन साल से नरेश व मदनलाल मिलकर युवाओं को चूना लगा रहे है। छताछ में इन दोनों से देशभर में इन तरह के कोर्स का झांसा देने वाले कई लोगों के नाम सामने आया है। पुलिस ने अब अलग-अलग टीमों को इन लोगों को पकड़ने के लिए भेजा है। आरोपियों के पास से उत्तराखंड शिक्षा परिषद रूड़की के बीए और एमएस, मेवाड़ यूनिवर्सिटी गंगरार (चित्तौड़गढ़) की बीएससी, श्री कृष्णा यूनिवर्सिटी छतरपुरा एमपी की बीएड और आईईसी यूनिवर्सिटी हिमाचल प्रदेश की बीएससी की डिग्री मिली है। नरेश और मदनलाल ने बताया कि जोधपुर पुलिस की टीम ने पुरानी दिल्ली के बुराड़ी संत नगर निवासी मदनलाल पुत्र नरेनूराम को उसके कॉल सेंटर से गिरफ्तार किया। मदनलाल ने कॉल सेंटर में 30 कर्मचारी लगा रखे थे। इन सभी को महीने के 25 युवाओं को फंसाने का टारगेट दिया हुआ था। इन लोगों के पास सभी प्रदेशों के लोगों के मोबाइल नम्बर का डाटा पड़ा था, जिससे यह लोग कॉल करते थे। पुलिस की पूछताछ में सामने आया कि नरेश व मदनलाल की आपस में दोस्ती सोशल मीडिया के जरिए हुई थी।

सर्वे भवंतु सुखिनः सर्वे संतु निरामया।
सोच बदलनी होगी यह कहावत शाश्वत सत्य है । सभी सुखी हों सभी रोग मुक्त रहें हम सभी मंगलमय घटनाओं के साक्षी बने और किसी को भी दुख का भागी न बनना पड़े।

श्रंखला 43

सोच बदलनी होगी

नए साल पर केवल कलेंडर बदलिए संस्कृति नहीं

डॉ मान सिंह भांवरिया

शांति शांति शांति

इसका उच्चारण करके देखो कितनी शांति प्राप्त होगी। आज हम इस मुहावरे के अनुसार आपको जीवन जीने के तरीके के बारे में बताएंगे। हम जिस आपाधापी और भागदौड़ वाली जिंदगी में जीवन यापन कर रहे हैं सोच बदलनी होगी। कुछ बिंदुओं के द्वारा हमने जीवन को सही मार्ग पर लाने के लिए समझाने की कोशिश की है।

संस्कृति की झलक

न ऋतु बदली.., न कक्षा बदली... न सत्र, न फसल बदली...न खेती, न पेड़ पौधों की रंगत, न सूर्य चाँद सितारों की दिशा, ना ही नक्षत्र।।

नया केवल एक दिन ही नहीं
कुछ दिन तो नई अनुभूति होनी ही चाहिए। इस 1 जनवरी के बाद तारीख के अलावा कुछ बदलता नहीं।

दोनों का तुलनात्मक अंतर

प्रकृति– एक जनवरी को कोई अंतर नही जैसा दिसम्बर वैसी जनवरी.. वही चैत्र मास में चारो तरफ फूल खिल जाते हैं, पेड़ो पर नए पत्ते आ जाते हैं। चारो तरफ हरियाली मानो प्रकृति नया साल मना रही हो ढ्ढ

विद्यालयों का नया सत्र– दिसंबर जनवरी मे वही कक्षा कुछ नया नहीं.. जबकि मार्च अप्रैल में स्कूलो का रिजल्ट आता है नई कक्षा नया सत्र यानि विद्यालयों में नया साल।

नया वित्तीय वर्ष – दिसम्बर-जनबरी में कोई खातो की क्लोजिंग नही होती.. जबकि 31 मार्च को बैंको की क्लोजिंग होती है नए बही खाते खोले जाते है ।

2024
Happy New Year

कलैण्डर – जनवरी में नया कलैण्डर आता है.. चैत्र में नया पंचांग आता है।
उसी से सभी भारतीय पर्व, विवाह और अन्य महूर्त देखे जाते हैं ढ्ढ इसके बिना हिन्दू समाज जीवन की कल्पना भी नही कर सकता इतना महत्वपूर्ण है ये **कैलेंडर यानि पंचांग**

किसानो का नया साल – दिसंबर-जनवरी में खेतो में वही फसल होती है.. जबकि मार्च-अप्रैल में फसल कटती है नया अनाज घर में आता है तो किसानो का नया वर्ष और उत्साह होता है।

पर्व मनाने की विधि – 31 दिसम्बर की रात नए साल के स्वागत के लिए लोग जमकर शराब पीते है, हंगामा करते है, रात को पीकर गाड़ी चलने से दुर्घटना की सम्भावना, रेप जैसी वारदात, पुलिस प्रशासन बेहाल और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों का **विनाश..**

जबकि भारतीय नववर्ष व्रत से शुरू होता है पहला नवरात्र होता है घर घर मे माता रानी की पूजा होती है ढ्ढ शुद्ध सात्विक वातावरण बनता है।

सम्पर्क सूत्र
डॉ. मानसिंह भंवरिया
मो 96727 77737

फोन बताएगा कब खानी है दवाई, यूजर्स के लिए आया नया फीचर

हर किसी के लिए सेहत का ख्याल रखना बेहद ही जरूरी है, अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो जल्द ही बीमार पड़ सकते हैं। कई बार आप बीमार पड़ जाते हैं, ऐसे में आपको दवाइयों का सेवन करना पड़ता है तब जाकर आप अपनी सेहत को सुधार पाते हैं। अगर आप अपनी दवाइयों को समय से नहीं कहते हैं तो सेहत ठीक होने में समय लग जाता है।

ज्यादातर लोगों के साथ यही समस्या है कि वो समय से अपनी दवाइयां खाना भूल जाते हैं। नतीजतन उन्हें काफी दिक्कत होती है। इस समस्या का समाधान करने के लिए अब आपके फोन में एक नया फीचर आ गया है। ये फीचर आपको याद दिलाएगा कि दवाई खाने का समय हो गया है।

Android Smartphone यूजर्स के लिए अब, एक ब्रांड ऐसा फीचर लेकर आ रहा है जिससे आप आप सभी दवाओं को ट्रैक कर सकते हैं और आपको उन्हें कब लेना है ये भी आपको याद आ जाएगा।

नया फीचर सुविधा सैमसंग हेल्थ ऐप के माध्यम से आती है जहां आप मैनुअल रूप से आपके द्वारा ली जाने वाली दवाओं के प्रकार, आपको उन्हें कब लेना है और यहां तक कि आपको दी गई गोलियों के आकार और रंग का भी उल्लेख कर सकते हैं।

सैमसंग ला रहा है नया फीचर – सैमसंग अभी कुछ चुनिंदा बाजारों में अपने हेल्थ ऐप पर नया फीचर ला रहा है, जो केवल इस बारे में बात करता है कि जब ऐप को इस महीने के अंत तक नया अपडेट मिलता है तो यूएस के बारे में ही बात करता है। मेडिसिन फीचर उन लोगों के लिए भी मददगार है जिन्हें याद दिलाने की आवश्यकता होती है कि उनका स्टॉक खत्म हो रहा है, और उन्हें डॉक्टरों से और सहायता की आवश्यकता है।

देता है चेतावनी – आपके द्वारा ली जा रही दवाओं के बारे में भी ये फीचर आपको बताता है। ये फीचर यह भी बताता है कि क्या इसके कोई दुष्प्रभाव हैं और यहां तक ??कि आपको चेतावनी भी देता है कि आपको दी गई गोलियों के बारे में कुछ सही नहीं है।

सैमसंग ने एल्सेवियर नामक एक कंपनी से विशेषज्ञ की मदद ली है जो चिकित्सा सामग्री के आसपास काम करती है। तो, एंड्रॉइड पर इस मेडिसिन फीचर का इस्तेमाल करने के लिए किसी को क्या चाहिए ?

सैमसंग का कहना है कि आपके पास एंड्रॉइड 8.0 या उच्चतर वाला फोन होना चाहिए, अपडेटेड सैमसंग हेल्थ ऐप संस्करण 6.26 या बाद का उपयोग करें। एक बात ध्यान देने योग्य है कि हेल्थ ऐप की दवा सुविधा आपके द्वारा उपयोग किए जा रहे फोन के आधार पर भिन्न हो सकती है।

रात भर चली कार्रवाई में मिलीं 70 लाख एक्सपायर्ड दवाएं

नगर में गांधी मूर्ति के पास स्थित गोदाम पर हुई छापामार की कार्रवाई रात भर चलती रही। इस दौरान करीब 70 लाख रुपये की एक्सपायर्ड दवाइयां बरामद की हुई। दवाइयों को जब्त करने के बाद कलक्ट्रेट में रखवा दिया गया है। वहीं, दवाइयों के अलग-अलग नमूने भरने के बाद जांच के लिए लखनऊ भेज दिया गया है। जबकि, मेडिकल स्टोर के लाइसेंस निलंबन और कोर्ट में परिवाद दाखिल करने की कार्रवाई होगी। साथ ही दूसरे गोदाम पर रखी दवाइयों की जांच के लिए तीन जिलों के अधिकारियों की संयुक्त टीम गठित हुई है। बृहस्पतिवार को एडीएम वित्त एवं राजस्व सुरेंद्र सिंह ने औषधि व खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ लेकर गांधी मूर्ति तिराहे के नजदीक स्थित कृष्णा मेडिकोज के गोदाम पर छापा मारा कार्रवाई की। जिसमें लाखों की एक्सपायर्ड दवा बरामद हुई थीं। इस कार्रवाई अमरोहा के साथ-साथ बिजनौर के औषधि निरीक्षक उमेश भारती व रामपुर जनपद के निरीक्षक मुकेश कुमार भी शामिल रहे। शुक्रवार सुबह सात बजे गोदाम से सीज दवाइयों को कलक्ट्रेट में रखवा दिया गया।

बिना नाम के अवैध चल रहा मेडिकल स्टोर सील, 92 हजार के दवाएं बरामद

शहर में बिना नाम के चल रहे मेडिकल स्टोर की सूचना पर औषधि विभाग ने छापा मारा। बिना नाम के चल रहे मेडिकल स्टोर को सील कर दिया गया। वहां से 92 हजार की दवाएं बरामद की गईं हैं। अलीगढ़ मंडल के सहायक आयुक्त औषधि पूरन चंद के निर्देशन में प्राप्त गोपनीय सूचना के आधार पर दीपक लोधी औषधि निरीक्षक एवं पूरन चंद सहायक आयुक्त औषधि ने पुलिस बल के साथ हमदर्द नगर डी जमालपुर में बिना नाम के अवैध रूप से संचालित मेडिकल स्टोर पर छापा मारा। मेडिकल स्टोर में भंडारित दवाओं को को फार्म 16 पर सील करते हुए ज़ब्त किया गया। वहां से चार दवाओं के नमूना जांच के लिए लिए गए। बरामद औषधीय की कीमत लगभग 92000 बताई गई है। ड्रग इंस्पेक्टर ने बताया है कि जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरांत न्यायालय में परिवाद दाखिल किया जाएगा।

हैल्थ व्यू परिवार की और से नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

सरकार ने लगाई रोक

भूलकर भी अपने 4 साल से कम उम्र के बच्चों को सर्दी जुकाम में न दें ये दवाइयां!

केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने चार साल से कम उम्र के बच्चों के लिए कुछ चिकित्सा अवयवों के मिश्रण वाली सर्दी जुकाम रोधी कई दवाओं के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया है। भारत के औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) राजीव रघुवंशी ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के दवा नियामकों से क्लोरफेनिरामाइन मैलेट आईपी 2एमजी + फेनिलफ्राइन एचसीएल आईपी 5एमजी ड्रॉप/एमएल के 'फिक्स्ड ड्रग कॉम्बिनेशन' (एफडीसी) के निर्माताओं को दवा के लेबल और पर्ची पर यह चेतावनी देने के लिए कहा है कि एफडीसी का इस्तेमाल चार वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए नहीं किया जाना चाहिए।

डीसीजीआई ने पत्र में कहा कि एफडीसी को प्रोफेसर कोकते समिति द्वारा तर्कसंगत घोषित किया गया था और इसकी सिफारिश के आधार पर, इस कार्यालय ने 18 महीने के नीतिगत निर्णय के तहत 17 जुलाई, 2015 को एफडीसी के निरंतर निर्माण और विपणन के लिए अनापत्ति पत्र (एनओसी) जारी किया था। उन्होंने कहा कि इसके बाद शिशुओं के लिए सर्दी जुकाम रोधी दवाओं के अवयवीकरण को बढ़ावा देने के बारे में चिंताएं बढ़ाई गई हैं। इस मामले पर छह जून को आयोजित विषय विशेषज्ञ समिति की बैठक में विचार-विमर्श किया गया था। पत्र में कहा गया है कं? समिति ने सिफारिश की कि एफडीसी का इस्तेमाल चार साल से कम उम्र के बच्चों में नहीं किया जाना चाहिए और तदनुसार कंपनियों को लेबल और पैकिंग पर इस संबंध में चेतावनी का उल्लेख करना चाहिए।

दवा बनाने वाली अवैध फैक्ट्री का भंडाफोड़, 935 किलो नकली दवाएं मिलीं

तेलंगाना के खम्मम जिले में दवाओं का निर्माण करने वाली एक अवैध फैक्ट्री पकड़ में आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस फैक्ट्री में कैंसर की भी नकली दवाएं बनाई जा रही थीं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, तेलंगाना के औषधि नियंत्रण प्रशासन ने खम्मम जिले में बिना लाइसेंस वाली इस दवा निर्माण फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। बताया जा रहा है कि विश्वसनीय सूचना के आधार पर अफसरों की एक विशेष टीम ने खम्मम जिले के तल्लाडा मंडल के अन्नारुगुडेम गांव में TSIIC इंडस्ट्रियल पार्क में बिना लाइसेंस वाली दवा निर्माण फैक्ट्री के परिसर पर छापा मारा।

परिसर में दवाओं की भारी मात्रा बरामद की गई

रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह फैक्ट्री एस्पेन बायोफार्मा की है और DCA अधिकारियों ने दवाओं के अवैध निर्माण का पता लगाया है। परिसर में सक्रिय फार्मास्युटिकल अवयव वाल्सार्टन और क्लोपिडोग्रेल पाए गए हैं। ध्रष्ट के महानिदेशक वी. बी. कमलासन रेड्डी ने कहा कि परिसर में लगभग 935 किलोग्राम दवाओं का भंडार पाया गया है। उन्होंने बताया कि यह फैक्ट्री कादरी सतीश रेड्डी के करीबी रिश्तेदार उपेंदर रेड्डी द्वारा संचालित की जा रही थी, जिनके हैदराबाद के माचा बोल्लाराम में बिना लाइसेंस वाले परिसर पर 4 दिसंबर को डीसीए अधिकारियों ने छापा मारा था।

छापे में मिली थीं कैंसर की नकली दवाएं – मारे गए छापे में 4.35 करोड़ रुपये की नकली कैंसर रोधी और अन्य दवाएं जब्त की गई थीं। मुख्य आरोपी कादरी सतीश रेड्डी, जो 4 दिसंबर को अपने परिसर से नकली दवाओं की जब्ती के बाद फरार हो गया था, अन्नारुगुडेम गांव में नकली दवाओं के निर्माण के केस में मुख्य साजिशकर्ता है। छापेमारी में DCA अधिकारियों ने स्थानीय पुलिस की मदद ली> अधिकारियों ने स्टॉक जब्त कर लिया और जांच के लिए सैंपल लिए। महानिदेशक ने कहा, आगे की जांच की जाएगी और दवाओं के अवैध निर्माण के लिए जिम्मेदार सभी अपराधियों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

प्रदेश के 477 राजकीय चिकित्सा संस्थानों का अधिकारियों ने किया आकस्मिक निरीक्षण

अनुपस्थित पाये गये अधिकारियों - कर्मचारियों को जारी होंगे कारण बताओ नोटिस

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती शुभ्रा सिंह के निर्देश पर 28 दिसम्बर को प्रदेश के 477 राजकीय चिकित्सा संस्थानों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। संभागीय संयुक्त निदेशक, सीएमएचओ, अतिरिक्त व उप सीएमएचओ, आरसीएचओ और ब्लॉक सीएमएचओ स्तर के अधिकारियों ने चिकित्सा संस्थानों में कार्मिकों की समय पर उपस्थिति, उपलब्ध जांच-दवा सहित मरीजों को दी जाने वाली गुणवत्तापूर्ण उपचार सेवाओं सहित साफ-सफाई व मौसमी बीमारियों की रोकथाम संबंधी निर्देशित गतिविधियों की सघन जांच कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश माथुर ने बताया कि स्वास्थ्य सेवाओं के सुदढ़ीकरण और अनुशासन की सुनिश्चितता के उद्धेश्य से 28 दिसम्बर को प्रातः 9 से प्रातः 9.30 बजे के मध्य सम्पूर्ण प्रदेश में यह मॉनीटरिंग की आकस्मिक कार्यवाही की गयी। उन्होंने बताया कि आकस्मिक निरीक्षण में 294 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों, 159 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों, 3 सैटेलाइट चिकित्सालय, 11 उप जिला चिकित्सालय, 10 जिला चिकित्सालयों में अधिकारियों ने स्वास्थ्य सेवाओं की जांच की। उन्होंने बताया कि अतिरिक्त मुख्य सचिव ने बिना सूचना अनुपस्थित रहने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने और सुधारात्मक कार्यवाही यथाशीघ्र पूरी करने के निर्देश दिये हैं।

निरीक्षण में 472 संस्थानों में मिली संतोषप्रद सेवाएं

डॉ. माथुर ने बताया कि साफ-सफाई और अन्य सेवाओं के क्रियान्वयन में 31 चिकित्सा संस्थान में सेवाएं उत्कृष्ट, 110 में बहुत अच्छी, 184 चिकित्सा संस्थानों में अच्छी, 147 चिकित्सा संस्थानों में संतोषजनक एवं 5 चिकित्सा संस्थानों में असंतोषजनक सेवाएं पायी गयी हैं। उन्होंने बताया कि इस दौरान 19 चिकित्सा संस्थानों में अधिकारियों ने कोविड प्रबंधन की दृष्टि से मॉक ड्रिल के जरिये भी संसाधनों की मॉनीटरिंग की।

ड्यूटी से अनुपस्थित मिले चिकित्सक व अन्य कार्मिक

निदेशक जनस्वास्थ्य ने बताया कि 221 चिकित्सक, 443 नर्सिंग व पैरामेडिकल कार्मिक, 37 मंत्रालयिक कार्मिक और 426 संविदा कार्मिक अनुपस्थित पाये गये वहीं 444 चिकित्सक, 1174 नर्सिंग कार्मिक, 92 मंत्रालयिक कार्मिक सहित 422 संविदाकार्मिक अवकाश पर थे।

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
नवजीवन मेडिकोज
सतपाल बेनीवाल
दुकान नं. 5 मोनीलेक हॉस्पिटल के सामने सेक्टर 4 जवाहर नगर, जयपुर
मो.9982568826, 828055579

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
RAMA HOSPITAL
Dr. R.M. Agarwal
MBBS, DCCH
4473, Ghoda Nikas Road,
Near Ramganj Choupar, Jaipur
Mob 9414296137

नव वर्ष की शुभकामनाएं
छोटीलाल लकड़ा
निर्माता एवं विक्रेता
दुकान न. 411 घाटगेट बाजार,
रामगंज चौपड़, जयपुर
मो. 9929531224,
74108077555
- बेसन
- आटा
- दलिया
- मैदा
- सूजी
- चना दाल
- समस्त प्रकार
- चीनी
अधिकृत वितरक : डबल तलवार ब्रांड मैदा, सूजी, आटा

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
SURGI TECH
RAMAN TANEJA
सर्जिकल उत्पदापों का एक आदर्श केन्द्र
244, Gali No. 4, Vashisth Marg, Raja Park, Jaipur,
Mob 9414047956,
9314446444

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
SIFA CLINIC
Dr. M.S. Khan
GLOMPHY BIOTECH
Add. Ashok Chowk, Adarsh Nagar,
Jaipur Mob. 9785782356

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
निम्ट कॉलेज ऑफ फिजियोथेरपी
Recognized by the Medical & Health Department, Govt. of Rajasthan
(Affliated to Rajasthan University of Health Science)
MBBS में सेलेक्शन नहीं हुआ, निराश न हो शानदार मेडिकल कैरियर विकल्प है। ADMISSION OPEN
बीपीटी–बैचलर ऑफ फिजियोथेरापी
Become a Doctor of Physiotherapy
कॉलेज द्वारा छात्रवृत्ति प्रत्येक छात्र को
Internationally Recognized Degree in Faculty of Medicine
Duration : 4 Years & 6 months internship
Eligibility : 10+2 PCB with minimum 45%
Age : Minimum age 17 Years as on 31st Dec.
Scholarship : Scholarship provide as per Govt. policy SC/ST, SBC, OBC-BPL & Others.
CONTACT
52 फुट हनुमान जी, बगराना,
आगरा रोड, जयपुर-302012
मो.- 9928592235, 9829031341,
www.nimtconpms.com

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
महेश मेडिकल स्टोर
GLOMPHY BIOTECH
(फ्री होम डिलेवरी)
दुकान न. बी-411, नायला हाऊस के सामने, मोती डूँगरी रोड, आनन्द पुरी, जयपुर मो. 9887415578

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
SHIV
TOUR & TRAVELS
VIJAY SHARMA
RAJESH SHARMA
G22 Subhash Nagar Shopping Center Shastri Nagar Jaipur
Mob - 98290 82745,
98292 05708

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
आदर्श दमा मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल
सन 2007 से सेवारत
डॉ कोपल अग्रवाल MS Gynae
डॉ मोनिका अग्रवाल MS Gynae
डॉ दिनेश गुप्ता शिशु रोग विशेषज्ञ
डॉ भरत शर्मा शिशु रोग विशेषज्ञ
हमारे विशेषज्ञ
निदेशक : डॉ जे एस चौधरी
परामर्श दाता डॉ चेतन्य शर्मा MBBS MD
डॉ लेखराज शर्मा MBBBS MD
डॉ प्रदीप अग्रवाल MBBS MD
राज विलास होटल और बाबा जी मोड़ के मध्य गोनेर रोड जयपुर मो.9414359701

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
हैल्थलाइन
डाइग्नोस्टिक सेंटर
सोनोग्राफी, डिजिटल-एक्सरे, एलिसा टेस्ट, फुली ऑटो-एनालाइजर, ऑटोमेटिक सेल कॉउन्टर
शॉप न. 1-3, राजाराम मार्ग, बृह्मपुरी रोड़, बृह्मपुरी खुर्रे के नीचे, जयपुर
मो.9314625238,

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
GLOMPHY BIOTECH
CHANDRA CLINIC
Dr. Subhash Chandra
MBBS
Dr. Saurabh Chandra
MBBS
Marg, Adarsh Nagar,
Jaipur Mob. 9414248483

DO YOU KNOW

ठंड में सो जाते हैं कुछ जानवर

दुनिया भर में ठंड का मौसम आरंभ हो चुका है। जानवर हों या फिर इंसान, सभी को ठंड परेशान करती है। इंसान तो अपना बचाव गर्म कपड़ों की मदद से कर लेते हैं, पर जानवर ऐसे में क्या करते होंगे? उनके पास तो कपड़े होते नहीं। ऊपर से जंगल में ठंड भी ज्यादा लगती है। ऐसे में कई जानवर हाइबरनेशन में चले जाते हैं। जहां ये लंबे समय तक सोते रहते हैं। आज ऐसे ही जानवरों के बारे में जानते हैं।

भालू : *भालू की चार तरह की प्रजातियां सर्दियों का अधिकांश समय जमीन में खोदे गए गड्ढों, मांद, गुफाओं या खोखले पेड़ों में सो कर बिताती हैं। अमेरिकी काले भालू, एशियाई काले भालू, भूरे भालू और ध्रुवीय भालू या पोलर बीयर, ये चार ऐसी प्रजातियां हैं, जो सर्दियों के दिन नींद में बिताना पसंद करती हैं।*

एल्पाइन मेरमोट्स : *मेरमोट्स पूरे साल में तकरीबन 8 से 9 माह के लिए हाइबरनेशन में चले जाते हैं। शीत निद्रा के दौरान वे हर मिनट में 2 या 3 बार ही सांस लेते हैं। यही नहीं, इनके दिल की धड़कन भी 120 बीट प्रतिमिनट से घट कर 3 या 4 बीट प्रति मिनट ही रह जाती है।*

चमगादड़ : *जंगली भूरे चमगादड़ 64 से 66 दिन तक और ज्यादा से ज्यादा 344 दिन तक नींद की अवस्था में रह सकते हैं। इस दौरान इस छोटे से प्राणी को भोजन की जरूरत नहीं पड़ती, लेकिन अपनी प्यास बुझाने के लिए ये जागते हैं। इनके दिल की धड़कन शीत निद्रा में 1000 से गिर कर 25 ही रह जाती है और कुछ चमगादड़ तो हर दो घंटे में केवल एक बार ही सांस लेते हैं।*

मक्खी : *तापमान गिरने पर पुरुष और अन्य काम करने वाली मक्खियां ठंड के कारण मर जाती हैं, लेकिन रानी मक्खी शीत निद्रा में जाने के कारण खुद को जीवित रख पाती है। सुप्तावस्था के दौरान रानी मक्खी मिट्टी में सुराख कर, पेड़ के किसी छेद में या पत्तों के ढेर में छिप जाती है। छह से आठ महीने शीत निद्रा में रह कर जब वह बाहर आती है तो नया घोंसला बनाती है और मधुमक्खियों की एक पूरी नई टीम फिर से तैयार करती है।*

नव वर्ष 2024 का संकल्प

धनवंतरी हॉस्पिटल

समाज सेवा में अग्रणी रहगें हम : डॉ आर पी सैनी

डॉ. सैनी शुरू से ही समाज सेवा में रुचि रखते थे जिसके लिए उन्होंने स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र चुना

डॉ. आर पी सैनी

धन्वंतरी हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर की स्थापना 1997 में मानसरोवर में डॉक्टर आरपी सैनी द्वारा की गई एक छोटे से क्लिनिक से हुई शुरुआत आज 150 बेड का बृहद स्वरूप धारण किए हुए हैं यह उपलब्धि डॉक्टर आरपी सैनी की दूरगामी दूरदर्शिता का परिणाम है। डॉ सैनी शुरू से ही समाज सेवा में रुचि रखते थे जिसके लिए उन्होंने स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र चुना। आपने अपनी मेडिकल की पढ़ाई S.M.S. मेडिकल कॉलेज से ऑर्थोपेडिक में पोस्ट ग्रेजुएशन किया। अस्पताल ने राजस्थान का नाम गौरव करने के लिए हमेशा से मेडिकल टूरिज्म को बढ़ावा दिया है। हॉस्पिटल ने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 300 से अधिक व्यक्तियों को रोजगार मुहैया कराया है। हॉस्पिटल की उत्कृष्ट सेवाओं और राष्ट्र स्तरीय इलाज की सुविधा को देखते हुए अस्पताल को एनएबीएच हासिल हुआ है।

उल्लेखनीय है कि अस्पताल ने चिकित्सा सेवा में उच्च योग्यता धारी नर्सिंग स्टाफ को तैयार करने के लिए नर्सिंग कॉलेज की भी स्थापना की हुई है।

अस्पताल असाध्य रोगों की सेवा में भी अहम भूमिका निभाता है जिसका जीता जागता उदाहरण है एक लड़की राजकुमारी को राजकुमार बनाया। दुर्घटना में घायल एक महिला जिसकी सांस नली क्षतिग्रस्त हो गई थी का सफल उपचार कर उसे नया जीवन दिया। अफ्रीका से गंभीर अवस्था में वेंटिलेटर पर आए युवक की जान बचाई। विदेशी महिला ने अस्पताल में आकर लिगामेंट का सफल इलाज करवाया। अस्पताल प्रबंधन निशुल्क चिकित्सा शिविर और रक्तदान शिविर का आयोजन भी करता है। डॉ.आर.पी.सैनी सामाजिक सरोकारों में पीछे नहीं हटते। जिस स्कूल से उन्होंने प्राथमिक शिक्षा ग्रहण की उसके वे ऋणी है हाल ही आपने स्कूल में 20 कंप्यूटर स्थापित कर लैब की स्थापना करवाई। डॉक्टर आरपी सैनी की इस सफलता की सीडी में उनके सुपुत्र डॉक्टर ओजस सैनी मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। डॉक्टर सैनी ने 2023 का संकल्प लिया कि वे समाज की स्वास्थ्य रक्षा में आगे बढ़ते रहेंगे।

संपर्क सूत्र डॉक्टर आर. पी. सैनी
मो 9829055760

प्रेग्नेंसी की पहली तिमाही में बढ़ जाता है यूरिन इंफेक्शन का खतरा

डॉ. ओ.बी.नागर

एस.एम.एस.मेडिकल कॉलेज की प्रोफेसनर डॉ. ओ.बी.नागर का कहना है कि प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाओं को यूरिनरी इंफेक्शन होने का खतरा बेहद ज़्यादा होता है और इसमें सबसे अधिक खतरा रहता है पहली तिमाही में। एक शोध के मुताबिक प्रेग्नेंसी के दौरान होने वाले यूरिनरी इंफेक्शनों में से 41प्रतिशत पहले तिमाही में होते हैं।

यूरिन इंफेक्शन – प्रेग्नेंसी के दौरान होने वाले यूरिनरी इंफेक्शन 2 किस्म के होते हैं - एक एसिम्प्टोमैटिक यानि ऐसे इंफेक्शन जिनमें लक्षण नज़र नहीं आते और दूसरे सिम्प्टोमैटिक जिनमें लक्षण नजर आते हैं। बार-बार पेशाब लगना, बेहद तेज पेशाब लगना, पेशाब करने में दिक्कत महसूस करना, पेट के निचले हिस्से में तेज़ दर्द या क्रैम्प, पेशाब करते हुए जलन महसूस करना,पेशाब का रंग मटमैला होना या उसमें तेज़ असमान्य गंध होना तथा पेशाब में खून के चलते इसका रंग लाल, गहरा गुलाबी या कोला के रंग होना आदि ऐसे लक्षण हैं जो यूरिनरी इंफेक्शन की तरफ इशारा करते हैं पर, प्रेग्नेंसी की पहली तिमाही में सबसे बड़ा खतरा एसिम्प्टोमैटिक यूरिनरी इंफेक्शन का है जिसमें पेशाब में बैक्टेरिया तो मौजूद होते हैं पर ब्लैडर में इसके कोई लक्षण नजर नहीं आते। इसलिए न तो इंफेक्शन का कोई शक होता है और न ही ब्लैडर के अल्ट्रासोनोग्राफी में ही इंफेक्शन का पता चलता है।

ऐसे बरतें सावधानी – सावधानी और जीवनशैली में अनुशासन से इन खतरों को कम भी किया जा सकता है। दिन में कम से कम 8 ग्लास पानी पीना, पेशाब करने के बाद अच्छे से पानी से धोना, कॉटन के साफ और मुलायम अंडरवियर पहनना, बेहद टाइट कपड़े पहनने से बचना तथा शराब, तेल-मसाले के खाने व कैफीन की अधिक मात्रा वाले पेय पदार्थ जो ब्लैडर पर दबाव डालते हैं उनसे बचना- ये ऐसी कुछ सावधानियाँ हैं जिससे यूरिनरी इंफेक्शन होने का खतरा कम किया जा सकता है।

संपर्क सूत्र डॉ. ओ.बी.नागर मो. 9829383880

बच्चों के हृदय रोगों में अब घबराने की जरूरत नहीं आधुनिक तरीके से सरल इलाज है उपलब्ध

पीडियाट्रिक कार्डियोलॉजी यानी शिशु हृदय रोग, हृदय रोग विषय में से एक विशिष्ट ब्रांच विकसित हुई है। यह बच्चों के हृदय रोगों के लिए समर्पित ब्रांच है। नारायणा हॉस्पिटल के शिशु हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ सुनील कुमार गुप्ता ने कहा कि बच्चों के हृदय रोग वयस्क के हृदय रोगों से बिल्कुल भिन्न होते हैं, इनके इलाज में विशेष प्रशिक्षण की जरूरत पड़ती है! इस कारण यह ब्रांच विकसित हुई। एक आंकड़ों के अनुसार हर जन्म लेने वाले बच्चों में एक परसेंट बच्चों में जन्मजात हृदय रोग होने की संभावना होती है। बच्चों के हृदय रोग में निम्न रोग अक्सर सामने आते हैं, जैसे दिल में छेद, दिल की नसों का गलत जुड़ा होना, दिल की बनावट का जटिल होना, दिल के चार चेंबर होते हैं उनमें से किसी एक चेंबर का विकसित नहीं होना, दिल तक शुद्ध रक्त पहुंचाने वाली नसों का जो कि सामान्यतः लेफ्ट साइड में होती है, दोष के कारण दाएं तरफ पर हो जाती है।

डॉ सुनील कुमार गुप्ता

डॉ गुप्ता ने कहा कि बच्चों में जन्मजात रोग के अंतर्गत उनमें निम्न लक्षण दिखाई देते हैं जैसे बच्चों का श्वसन गति का तेज होना, बच्चों के नाखून और होंठ का नीला पड़ना, बच्चों का रुक-रुक कर दूध पीना, बच्चों का वजन नहीं बढ़ना। डॉ गुप्ता ने कहा कि बीमारी पकड़ आने पर इन बीमारियों का 80 से 85प्रतिशत केसेस में 100प्रतिशत इलाज संभव है और बाकी 10 - 15प्रतिशत केसेस में भी मल्टीपल सर्जरी करके इलाज कर दिया जाता है। उन्होंने कहा कि घबराने की जरूरत नहीं है! 80 से 85प्रतिशत में बच्चों के हृदय रोग के उपचार के बाद 6 माह ही दवाइयां देकर बच्चे ठीक हो जाते हैं ! बच्चों के शरीर का नीलापन पड़ना, बच्चों में छेद होना यह अत्यंत ही सामान्य बीमारी है और आसान सर्जरी से ठीक भी हो जाती है। इसका इलाज सरकारी आयुष्मान योजना में निशुल्क उपलब्ध है। उल्लेखनीय है कि डॉ सुनील गुप्ता ने आरएनटी मेडिकल कॉलेज उदयपुर से एमबीबीएस करने के बाद जे एल एन मेडिकल कॉलेज अजमेर से एम डी की और उसके बाद नारायणा बेंगलुरु से पीडियाट्रिक कार्डियोलॉजी में फैलोशिप की। आपका पैतृक गांव हिंडौन सिटी है पिताजी का नाम मुरारी लाल जी और आपके छोटे भाई डॉ अनिल गुप्ता भी हृदय रोग विशेषज्ञ है।

संपर्क सूत्र डॉ सुनील कुमार गुप्ता
मो.77278 20808

इरेक्टाइल डिस्फंक्शन का किया सफल उपचार

डॉ. निखिल बंसल

महात्मा गांधी अस्पताल के अस्पताल के वरिष्ठ इंटरवेंशनल रेडियोलोजिस्ट डॉ. निखिल बंसल ने बताया कि उनके पास एक 50 वर्षीय मरीज सेक्सुअल समस्या के इलाज के लिए आया। जांच के बाद पता चला कि उसके जननांग के अंदरूनी हिस्से में स्थित आंतरिक पुडेंडल आर्टरी में रुकावट थी। जिस कारण आर्टरी में रक्त प्रवाह नहीं हो पा रहा था। इससे मरीज को सेक्सुअल समस्या हो रही थी। इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी विभाग ने मरीज का पुडेंडल एंजियोप्लास्टी कर इरेक्टाइल डिसफंक्शन का सफल उपचार किया। चिकित्सकों का कहना है कि प्रदेश का यह संभवतः पहला ही केस है। डॉ निखिल बंसल ने बताया कि इलाज के अंतर्गत एडवांस कैथ लैब में मिनिमल इनवेसिव तकनीक से फीमोरल आर्टरी के रास्ते आर्टरी की रुकावट को स्टेंट लगाकर खोला गया है।

चिकित्सकों का कहना है कि मरीज लंबे समय से डायबिटीज से ग्रस्त था। इंटरवेंशनल रेडियोलोजिस्ट डॉ. पूर्वी मलिक के साथ मिनिमल इनवेसिव प्रोसीजर में इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी विभाग के डॉ. सुनील अग्रवाल, डॉ. हीराराम चौधरी, डॉ. मनु गुप्ता का भी सहयोग रहा।

संपर्क सूत्र डॉ. निखिल बंसल
मो. 9782415566

New Year New Beginnings
Pioneering Heart Health in 2024
Dr. G.L. SHARMA
MD, DM, DNB,
FICPS, FAPSIC
Practising Since : 2001
Interventional Cardiologist, Master of complex cases of heart disease.

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
Dr. KSHITIJ MATHUR
(BDS, MAOI)
MUSKAAN
DENTAL CLINIC
C-19 Jyoti Marg Bapu Nagar Jaipur
Mob-9829019558, 8949446572

कैसा रहेगा 2024 में जयपुर का मेडिकल परिदृश्य

हिमांशु अग्रवाल

नया साल 2024 न केवल जयपुर बल्कि राजस्थान की जनता के लिए चिकित्सा के क्षेत्र में अनेक सौगातें लेकर आ रहा है। इससे जयपुर में मेडिकल टूरिज्म को बढ़ावा मिलेगा। नए साल 2024 में एसएमएस अस्पताल में इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरोसाइंस, कार्डियक संस्थान, डीएनए लैब समेत कई नई सुविधाएं शुरू हो जाएंगी।

प्रताप नगर में स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट भवन का निर्माण तेज गति से चल रहा है यहां एक ही छत के नीचे कैंसर मरीजों का पूरा इलाज मिल जाएगा।

गणगौरी अस्पताल में सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक और जयपुरिया अस्पताल में न्यू ट्रोमा सेंटर शुरू हो सकता है। एस एम एस में इंस्टीट्यूट ऑफ डर्मेटोलॉजी विभाग शुरू होगा, सरकार ने इसकी स्थापना के लिए 7 करोड़ रुपए स्वीकृत किए हैं। उल्लेखनीय है कि अभी तक दुनिया में केवल एक ही डर्मेटोलॉजी इंस्टीट्यूट है जो लंदन में है।

जयपुर के लिए गर्व की बात है कि जयपुर में एस एम एस में दुनिया का ऐसा दूसरा सरकारी अस्पताल होगा जहां एक ही छत के नीचे गुप्त रोग व चर्म रोगों का इलाज होगा। चरक भवन में हो सकेंगे हेयर ट्रांसप्लांट और स्किन संबंधी पूरा इलाज। शारीरिक कमजोरी या सेक्सुअल वीकनेस का इलाज भी एक ही छत के नीचे होगा। नई तकनीक से तुरंत पता चलेगी डोज की मात्रा – एसएमएस में गंभीर हालत में लाए जाने वाले मरीजों में पॉइजन, ड्रग के डोज की मात्रा की सटीक जानकारी तुरंत मिल सकेगी। इस सुविधा से इलाज भी तुरंत शुरू हो सकेगा। इसके लिए अस्पताल में पॉइजन डिटेक्शन एंड ड्रग लेबल लैब बनाई जा रही है। गणगौरी अस्पताल में 50 करोड़ की लागत से सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक बनाया जा रहा है। ये अगस्त तक बन जाएगा फिर यहां पर ट्रोमा, मोर्चरी की सुविधा भी शुरू हो जाएगी।

आइपीडी टॉवर में भी कुछ ब्लॉक होंगे शुरू

Jaipur National University, Jaipur

साथ ही कई सुपर स्पेशलिटी भी शुरू होगी। बेड, ओटी, आईसीयू की संख्या भी दोगुना हो जाएगी। महिला चिकित्सालय और चांदपोल स्थित जनाना अस्पताल में भी आईपीडी टावर निर्माणाधीन है। यहां पूरे प्रदेश से गर्भवती महिलाएं इलाज के लिए आती हैं।

प्रताप नगर में स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट भवन का निर्माण तेज गति से चल रहा है यहां एक ही छत के नीचे कैंसर मरीजों का पूरा इलाज मिल जाएगा जिससे एसएमएस हॉस्पिटल में कैंसर रोगियों को मिलने वाला इलाज का बोझ हल्का होगा। एसएमएस अस्पताल की इमरजेंसी में होगा वार्ड, ओटी और आईसीयू और साथ ही नए वर्ष में इमरजेंसी ब्लॉक का भी विस्तार किया जाएगा। इस पर करीब 12 करोड़ रुपए स्वीकृत हुए है।

इमरजेंसी ब्लॉक के विस्तार से मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी। क्योंकि इसके बाद यहां दस बेड का सामान्य वार्ड, आईसीयू, सेमी आइसीयू व माइनर ओटी बनाया जाएगा। जिससे इमरजेंसी में गंभीर हालत में पहुंचे रोगी को हर तरह का हर संभव उपचार तुरंत मिल सकेगा।

उसे इधर-उधर शिफ्ट के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। दरअसल मरीज को इलाज के लिए इधर-उधर शिफ्ट होने में भटकना पड़ता है जिससे काफी समय बर्बाद हो जाता है और तुरंत मिलने वाला इलाज विलंब होने से मरीज की हालत गंभीर हो जाती है इस दुविधा से राहत मिल सकेगी।

नव वर्ष की हार्दिक शुभ कामनाएं
SHREERAM
DEPARTMENTAL STORE
A Complete Shopping Complex
Ramchandra Puruswani
A-1, Basant Bahar, Nr. Gopalpura Flyover,
Tonk Road, Jaipur-302 018
HOME DELIVERY AVAILABLE
Ph.Ñ 2548110, 2546851, 5127162

काबरा आई हॉस्पिटल
personalised care
COMPLETE EYE CARE
नेत्र रोगों का सम्पूर्ण इलाज
WOMEN & CHILD CARE
स्त्री रोगों एवं शिशुरोगों का सम्पूर्ण इलाज
*सुरक्षित प्रसव (नार्मल व सिजेरियन द्वारा)
*निसंतानता परामर्श व निवारण
*दूरबीन द्वारा बच्चेदानी व अण्डेदानी के समस्त ऑपरेशन
*पी.सी.ओ.डी. व हार्मोन संबंधी परामर्श एवं निवारण
*बच्चों की नियमित ओ.पी.डी व टीकाकरण
NABH मान्यता प्राप्त हॉस्पिटल | R.G.H.S | चिरंजीवी मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना
सी.जी.एच.एस. (CGHS) ई.सी. एच.एस.(CGHS) बी.एस.एन.एल. (CGHS)
जे.वी.वी.एन.एल. (JVVNL) अमूल सरस डेयरी
राजस्थान यूनिवर्सिटी एवं सभी टी.पी.ए व इंश्योरेंस कम्पनी
जमुना नगर, सोडाला, अजमेर रोड, जयपुर
फोन 9887469598, 9529888000

शादी दिलों का मेल है,
उसे यादगार बनाइए
वैवाहिक परिधानों की सम्पूर्ण रेंज
Raja Sahab
His & Hers Store
Raja Park, Jaipur. Ph. : 2623001-002

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
Silver Queen JEWELLERS
SINCE 1984
Gold - Polki - Diamond
Ruby - kundan - jadau
पक्का सोना-पक्का विश्वास अटूट सम्बन्ध
Seth Srilal Market, Siliguri Ph. 2430964, 2533898
Email - silverqueenjewellers1984@gmail.com

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
SHRI HOSPITAL
Dr. GOPAL KHANDELWAL (MD Medicine)
Dr. Manju Khandelwal (MS Gynae)
Approved Hospital With Saras, Alankit, JVVNL, RRVPNL, PNB Etc & with Insurance Co.'s
4 Vishnupuri, Jagatpura Road, Jaipur Ph: 2752880

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
ISO 9001-2000 Certified Co.
omni ICE CREAM
Pure Milk Cream Ice Cream.
No Frozen Desert
शादी व पार्टी में बुकिंग के लिये सम्पर्क करें
9414044050, 2324050, 2770211

Dr. Pushkar Gupta
MD (Med.), DM, DNB (Neuro)
Consultant
Neurologist
C.K. BIRLA Hospital
Resi : A-13, Jai Jawan-1, Tonk Road, Durgapura. Jaipur
Mo : 9828020015

Dr. DEEPAK VANGANI
Ms, Mch (Mumbai) Senior Consultant Neurosurgeon
Laser Endoscopy and Microneuro Surgery
NEURO SPINE CLINIC
L-24, Income Tax Colony, Tonk Road Durgapura, Jaipur
Mob 9829013398 www.vanganispinecare.com

स्पर्श हॉस्पिटल
Sparsh
चिरंजीवी एवं RGHS सुविधा के तहत नि:शुल्क इलाज
सुविधाएं
- हृदय रोग विभाग
- स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग
- नाक, कान एवं गला रोग विभाग
- रोडियोलॉजी विभाग
- बाल एवं शिशु रोग विभाग
- यूरोलॉजली रोग विभाग
- दन्त रोग विभाग
- मेडिसिन विभाग
- जनरल सर्जरी विभाग
- हड्डी एवं जोड़ विभाग
- पेट एवं लीवर रोग विभाग
- फिजियोथेपी विभाग
ICU / NICU
24x7 आपातकालीन सेवाएं
ट्रोमा एवं एन्जोग्राफी एन्जोप्लास्टी
आसीन्द नगर, न्यू सांगानेर रोड, सांगानेर, जयपुर फोन:-0140-2733348, मो. 8239038379

पाइल्स हॉस्पिटल
पाइल्स (बवासीर) व अन्य गुदारोगों का अस्पताल
A DAY CARE ANOREACTAL SURGERY CENTRE
डॉ. दिनेश शाह वरिष्ट पाइल्स एवं गुदा रोग विशेषज्ञ M.S., FAIS, FIAGES, FACRSI
डॉ. अंशुल शाह मो. 8209632767
6/64, विद्याधर नगर, जयपुर फोन - 0141-2334959

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रमन अग्रवाल द्वारा 170/ 3, रामगली राजापार्क के लिए जयपुर से प्रकाशित एवं मोहन शर्मा एंड कंपनी प्रा. लि., ए-10, सुदर्शनपुरा इंडस्ट्रियल एरिया, जयपुर से मुद्रित। सम्पादक : रमन अग्रवाल, सह सम्पादक - मीना अग्रवाल, 9829066272